

B-2

L-4

दिनांक

05-12-23

→ Doubt -- *

* → पृथ्वी के अन्दर जाते ही तापमान क्यों बढ़ जाता है?

- 3 मुख्य कारण - 1- उत्पत्ति के बाद शेष बची हुई उष्मा

2- रेडियो धर्मी पदार्थ (यूरेनियम)

↓
Release of Energy

3- गुरुत्वीय दबाव

* Planetary Accretion
ग्रहीय संरचना

* Density Differentiation
घनत्व विभेदन

गुरुत्व निम्न की प्रक्रियाएँ



भूगणित : पृथ्वी का मापन एवं पृथ्वी की गतियाँ

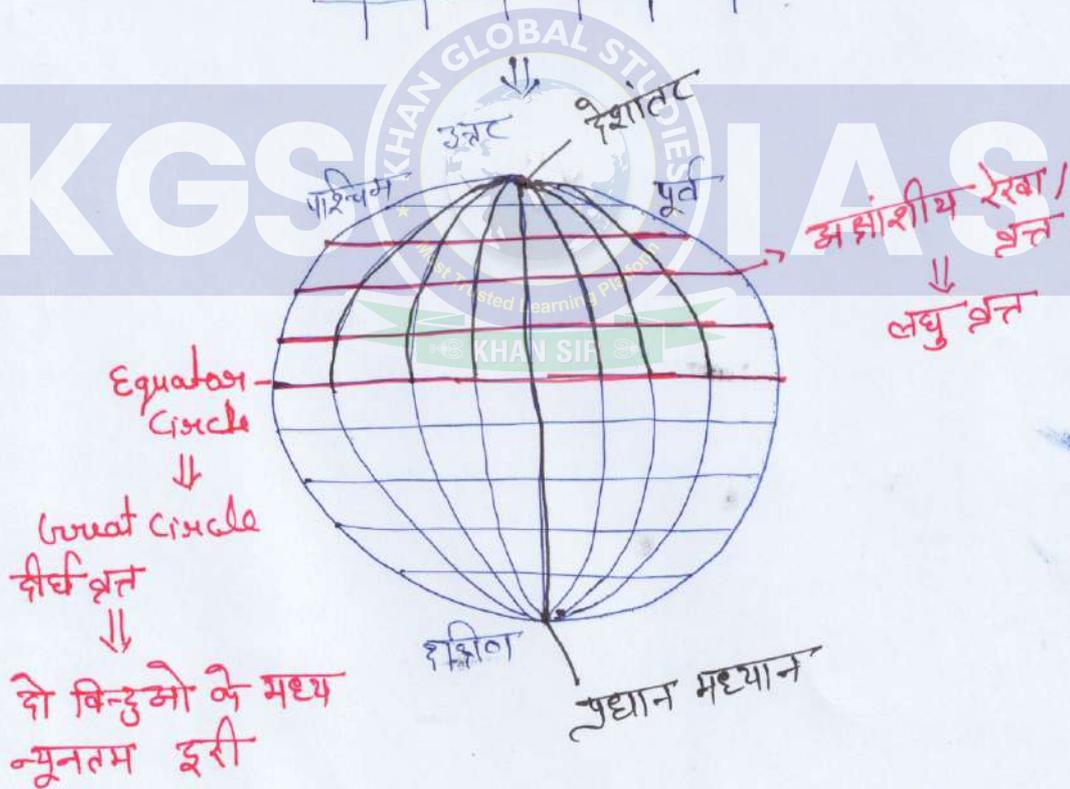
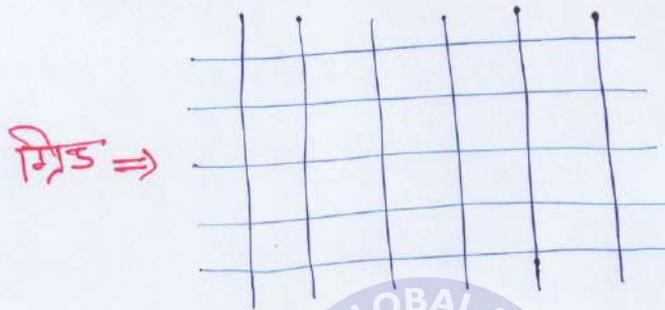
पृथ्वी :-

- सौरमंडल का एक हील गृह है।
 - ज्योपरनिकस ने हेलियोसेंट्रिक थ्योरी का प्रतिपादन किया जिसके अनुसार सूर्य केन्द्र में है तथा पृथ्वी एवं अन्य आन्वर्तीय पिण्ड इसके चारों ओर चक्कर लगाते हैं।
 - सूर्य से दूरी के अनुपात में पृथ्वी का तीसरा स्थान है। आकार की दृष्टि से गृहों में इसका पांचवा स्थान है।
 - पृथ्वी का आकार चपटा दीर्घवृत्त (Oblate Ellipsoid) है। ध्रुवों पर चपटे आकार के लिए पृथ्वी के अभिकेंद्रीय बल को उत्तरदायी माना जाता है।
 - आधुनिक मापनों के अनुसार पृथ्वी का आकार जीनोइड (Geoid) है।
- पृथ्वी से संबंधित तथ्यात्मक जानकारी को Booklet से पढ़ें।

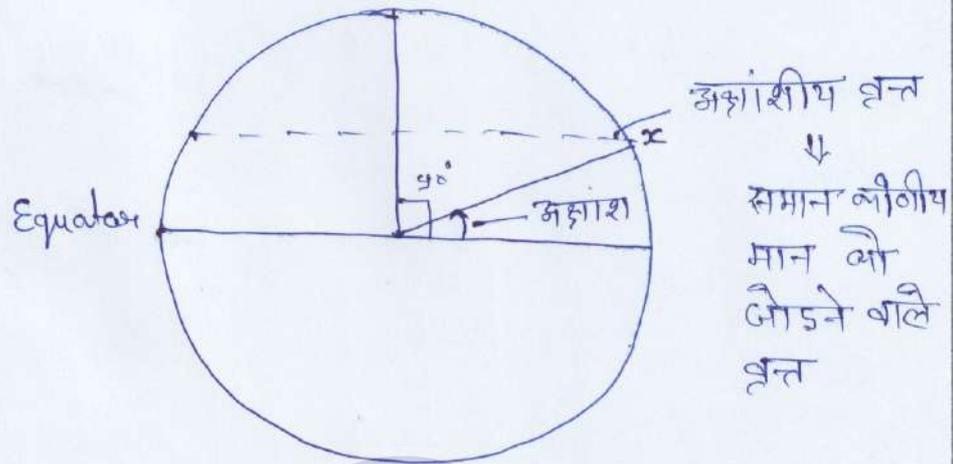
⇒ पृथ्वी पर रज्जु बिन्दु की स्थिति बताना

→ भौगोलिक ग्रिड की अवधारणा:-

↓
हिपार्क्युस (Hipparchus) द्वारा प्रतिपादन

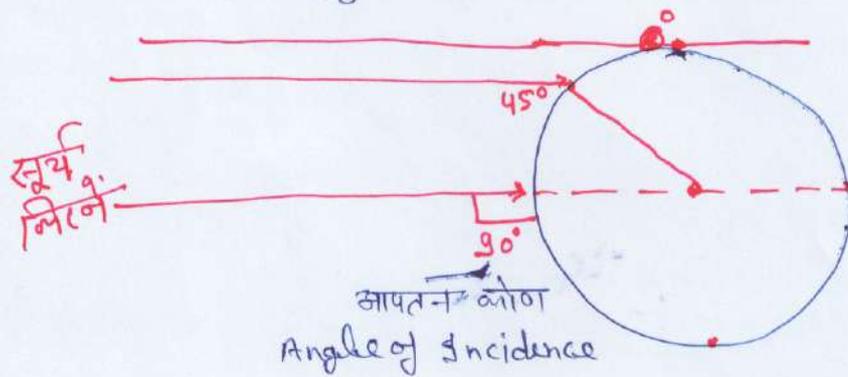


अक्षांश - पृथ्वी की सतह पर किसी भी स्थान का, पृथ्वी (Latitude) के केंद्र पर जोणीय मान अक्षांश कहलाता है।
(उत्तरी एवं दक्षिणी दोनों गोलार्ध में)



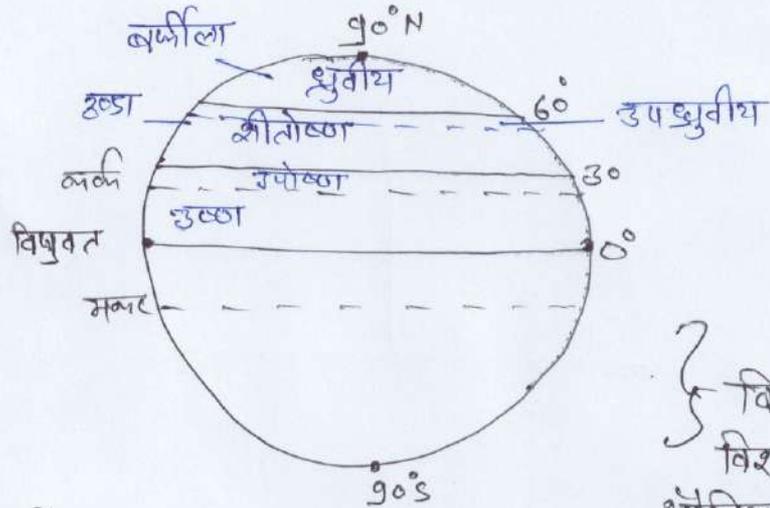
देशान्तर - किसी स्थान की प्रधान मध्याह्न रेखा से (Longitude) पूर्व या पश्चिम की जोणीय दूरी।

- आपतन कोण \rightarrow विद्युत् वृत्तान्त पर सर्वाधिक मान एवं ध्रुवों की ओर कम होता जाता है।



\downarrow अतः अक्षांश आपतन कोण का सूचक है।

तापीय पट्टियां



विवरण
विश्व व्या
भौतिक भूगोल में
लगाया गया है।

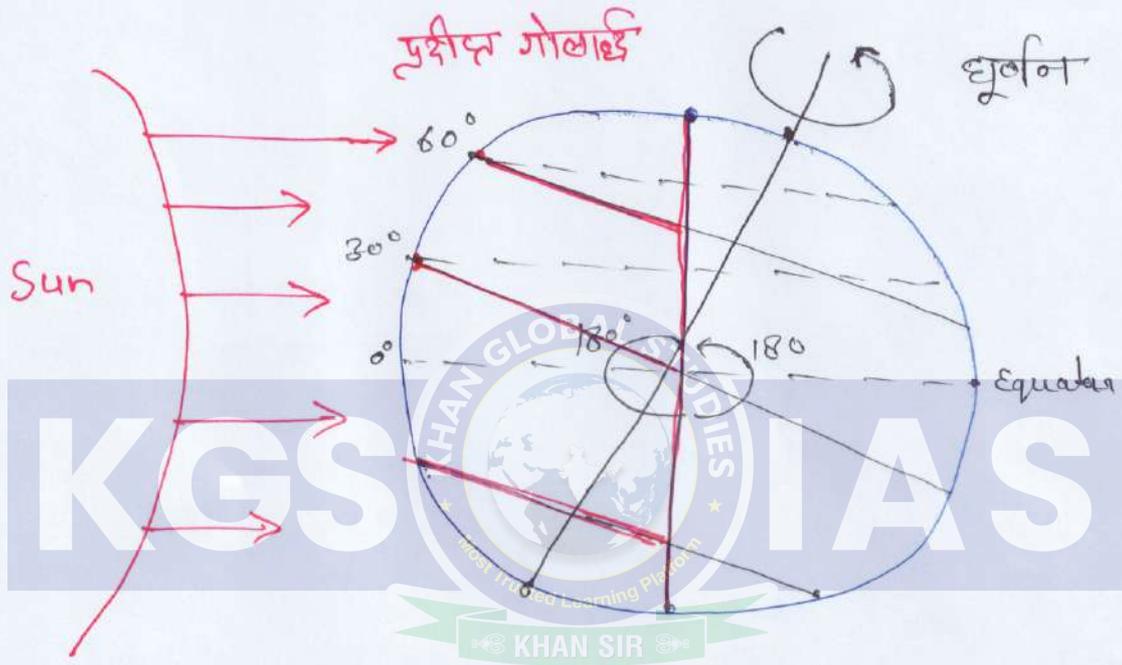
पृथ्वी की गतियां

⇒ सभी प्रमुख ग्रह सूर्य के चारों ओर वामावर्त घूमते हैं, और शुरुआत ग्रैनेल को छोड़कर सभी अपनी धुरी पर वामावर्त घूमते हैं। इसलिये इन दोनों में प्रतिगामी घूर्णन होता है।

• पृथ्वी •

1- घूर्णन (Rotation) - पृथ्वी अपने अक्ष पर पश्चिम से पूर्व 1610 किमी. प्रति घंटा की गति से 23 घंटे 56 मिनट और 4.09 सेकण्ड में एक चक्कर लगाती है। इसे पृथ्वी की दैनिक गति कहते हैं - इस गति से पृथ्वी पर दिन व रात होते हैं।

२- परिभ्रमण - पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक अंडाकार मार्ग पर लगभग 365 दिन और 6 घंटे में एक पूरा चक्कर लगाती है। इसके कारण पृथ्वी पर दिन-रात होते व बड़े और ऋतु परिवर्तन होते हैं।



• धूर्णन के कारण — दिन व रात
 अक्षीय झुकाव — रात व दिन की अवधि में परिवर्तन
 परिभ्रमण + अक्षीय झुकाव - ऋतु परिवर्तन

